# सगोत्रीय विवाह

**स्रोत: बीएल**

एक अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि किस प्रकार **सगोत्रीय विवाह** ने भारत में **जनसंख्या-विशिष्ट आनुवंशिक रोगों और औषधि चयापचय** में विविधताओं में योगदान दिया है।

- **अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष:** भारतीय समुदायों में अंतःप्रजनन (आनुवांशिक रूप से निकट रूप से संबंधित व्यक्तियों का प्रजनन) के कारण आनुवंशिक विकारों की व्यापकता अधिक पाई गई।
  - उदाहरण के लिये, आंध्र प्रदेश के रेड्डी समुदाय में **एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस (गठिया का एक प्रकार)** की उच्च घटना पाई जाती है।
- **सगोत्रीय विवाह (Endogamy):** पहचान, धन और परंपराओं को बनाए रखने के लिये **एक विशिष्ट जातीय, सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक या जनजातीय समूह** के भीतर विवाह करने की प्रथा, **बहिर्विवाह के विपरीत,** जिसमें अपने सामाजिक समूह के बाहर विवाह करना शामिल है।
- **अंतर्जातीय विवाह के नकारात्मक प्रभाव:**
  - **सीमित जीन पूल:** अंतर्विवाही समूहों में कम आनुवंशिक विविधता बदलती पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रति अनुकूलनशीलता को सीमित करती है।
  - **सामाजिक परिणाम:** इससे **सम्मान के नाम पर हत्याएँ और कठोर जाति-आधारित पदानुक्रम** जैसी प्रतिबंधात्मक सामाजिक प्रथाओं को बढ़ावा मिलता है।

**और पढ़ें:** रक्त संबंध

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/endogamy